TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

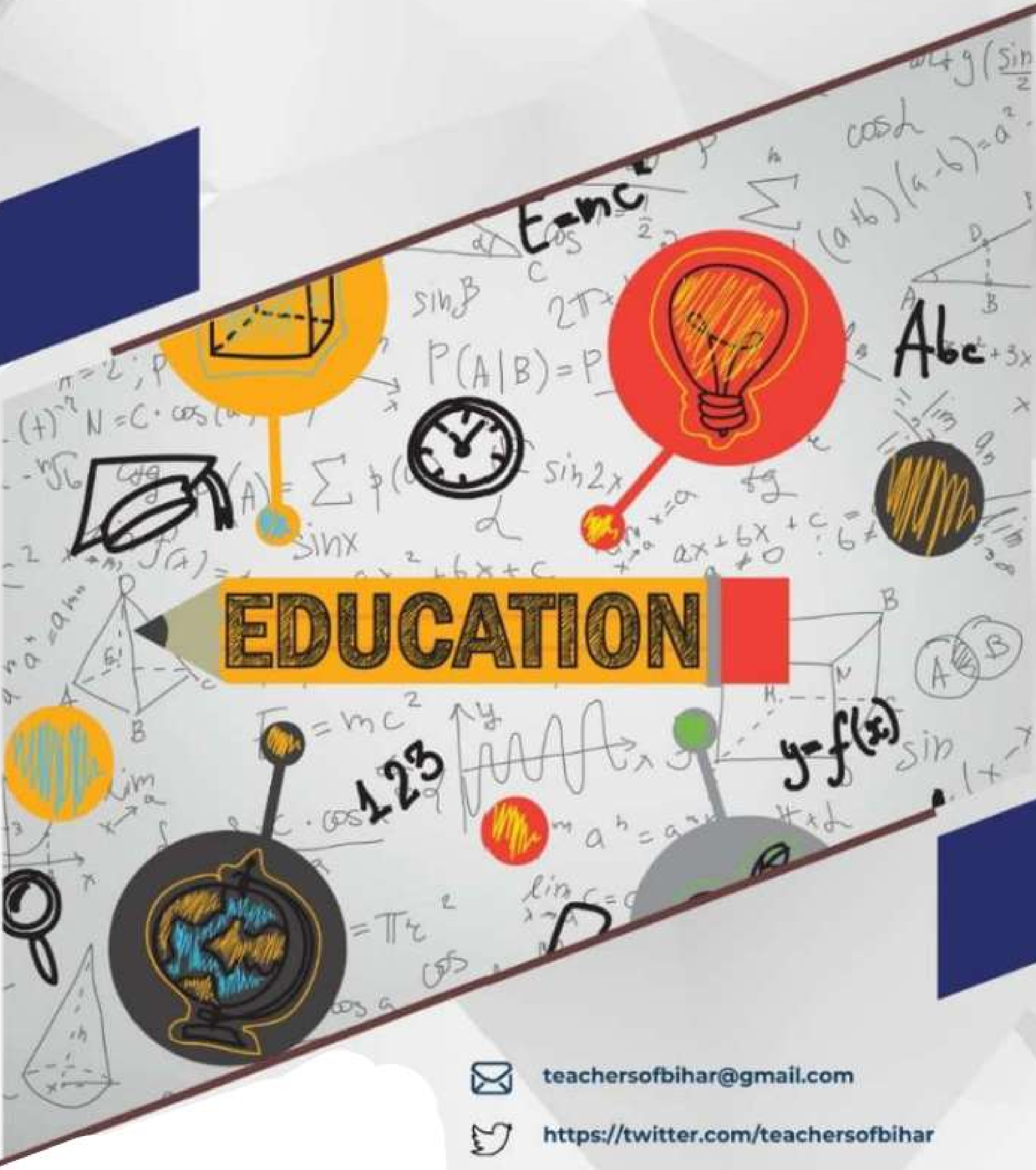

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

सात वर्षों का सफ़र, समर्पण की पहचान—शिक्षा के लिए, शिक्षकों के साथ

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

TEACHERS OF BIHAR

स्थापना दिवस समापन समारोह

कार्यक्रम में पधारने वाले विशिष्ट एवं सम्मानित अतिथि

डॉ. एस सिद्धार्थ IAS
पूर्व अपर मुख्य सचिव
शिक्षा विभाग,
बिहार सरकार

प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र बेहरा
जॉइंट डायरेक्टर
CIET-NCERT नई दिल्ली

प्रोफेसर डॉ. उषा शर्मा
प्रभारी
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ
NCERT नई दिल्ली

प्रो. डॉ चारु स्मिता मलिक
असिस्टेंट प्रोफेसर
NCSL NIEPA नई दिल्ली

डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक समन्वयक
भारतीय भाषा समिति
शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार

श्री संजय कुमार
उप निदेशक
SCERT बिहार

डॉ. उदय कुमार उज्जवल
राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी
बिहार शिक्षा परियोजना
परिषद

26 जनवरी 2026
दिन सोमवार

विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन

संध्या 7:30 से 9:00 तक

परिणाम प्रकाशन

टीचर्स का बिहार के फेसबुक पेज पर
www.facebook.com/teachersofbihar

LIVE

VISIT OUR WEBSITE
www.teachersofbihar.org

CONTACT US
7250818080/9650233010

26 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

उदासीनता लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे बुरी किस्म की बीमारी है।

- डॉ. भीमराव अंबेडकर

Vishwa Vijay Singh

दिवस विशेष

26 जनवरी

मधु प्रिया

भारतीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

गणतन्त्र दिवस भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है जो प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन सन् 1950 को भारत सरकार अधिनियम(1935) को हटाकर भारत का संविधान लागू किया गया था। यह भारत के तीन राष्ट्रीय अवकाशों में से एक है, अन्य दो स्वतन्त्रता दिवस और गांधी जयंती हैं। गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि 26 जनवरी 1950 को पूरे 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगा कर बनाया गया संविधान लागू किया गया था और हमारे देश भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। वेसे तो हमारा देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद हो गया था परंतु इस आज़ादी को रूप 26 जनवरी को दिया गया। तब से अब तक हम इस दिवस को आज़ादी के दिन के रूप मे मनाते है आज हमे आज़ादी मिले हुए पूरे 73 साल हो चुके है। हमारे देश की आज़ादी किसी भी एक व्यक्ति के कारण नहीं हुई हमारे देश की आज़ादी बहुत सारे भगत सिंह, महात्मा गांधी आदि जैसे महान पुरूषो के बलिदान का परिणाम है। देश भक्त अपने देश को गुलामी की ज़नज़ीरो से बंधा ना देख सके अपने देश को आज़ाद कराने के लिए उन्होने अपने प्राण तक त्याग दिये उनके बलिदानों के कारण अंग्रेज़ों को अपने घुटने टेकने पड़े और उन्होने भारत को आज़ाद कर दिया। गणतंत्र दिवस के दिन हम इन महान पुरुषों के बलिदान को याद करत और प्रेरणा लेते है कि हम भी इन्ही महान पुरुषों की तरह अपने देश के लिए अपने प्राण त्याग देंगे उसकी आन मान और शान की रक्षा के लिए हर समय तय्यार रहेंगे और दोबारा कभी अपने देश को गुलामी की ज़नज़ीरो में बंधने नहीं देंगे हम सब को इन देश भक्तो से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश की हिफाज़त के लिए तैयार रहना चाहिए। गणतंत्र दिवस को मनाने का एक उद्देश्य है कि हम महान पुरुषों के बलिदान को याद करके उनसे प्रेरणा लेते है। प्रत्येक भारत वासियों को भारत के शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने देश को ऊँचायो तक पहुंचाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए और हर भारतीय का कर्तव्य बनता है कि वह देश के विकास के लिए अपना पूरा योगदान दे और देश की रक्षा के लिए हर समय खड़ा रहे।

Your paragraph text /teachersofbihar

हरिवंश राय बच्चन जी का जन्म 27 नवम्बर 1907 को

गणतंत्र दिवस विशेष

गणतंत्र दिवस *Republic Day*) भारत में 26 जनवरी को मनाया जाता है और यह भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है। हर वर्ष 26 जनवरी एक ऐसा दिन है, जब प्रत्येक भारतीय के मन में देश भक्ति की लहर और मातृभूमि के प्रति अपार स्नेह भर उठता है। ऐसी अनेक महत्त्वपूर्ण स्मृतियां हैं जो इस दिन के साथ जुड़ी हुई है। 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान लागू हुआ और इस प्रकार यह सरकार के संसदीय रूप के साथ एक संप्रभुताशाली समाजवादी लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में भारत देश सामने आया।

 राकेश कुमार

पुण्यतिथि विशेष 26 जनवरी

भारत के सुप्रसिद्ध व्यंग-चित्रकार,
हास्य रस लेखक एवं पद्म विभूषण व रमन मैग्सेसे
पुरस्कार से अलंकृत

आर. के. लक्ष्मण जी

की पुण्यतिथि पर
उन्हें कोटि- कोटि नमन

रासीपुरम कृष्णस्वामी लक्ष्मण *R. K. Laxman*, जन्म- 24 अक्टूबर, 1921; मृत्यु: 26 जनवरी, 2015) को भारत के एक प्रमुख व्यंग-चित्रकार के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त है। अपने कार्टूनों के ज़रिए आर. के. लक्ष्मण ने एक आम आदमी को एक व्यापक स्थान दिया और उसके जीवन की मायूसी, अँधेरे, उजाले, ख़ुशी और ग़म को शब्दों और रेखाओं की मदद से समाज के सामने रखा।

TOB
खेल कॉर्नर

टी-20 में 25 या उससे कम गेंदों में सबसे ज्यादा बार अर्धशतक

बैटर्स	25 या कम गेंदों में फिफ्टी
अभिषेक शर्मा	8
फिल सॉल्ट	7
सूर्यकुमार यादव	7
एविन लुईस	7

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **26.01.2026**

गणतंत्र

गणतंत्र **(Republic)** से अभिप्राय उस शासन प्रणाली से है जहाँ देश का सर्वोच्च शासक कोई राजा या रानी नहीं, बल्कि जनता द्वारा चुना गया प्रतिनिधि (जैसे राष्ट्रपति) होता है, और सत्ता का स्रोत जनता होती है, जो अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन करती है. सरल शब्दों में, 'गण' (जनता) और 'तंत्र' (शासन प्रणाली) मिलकर जनता का शासन बनाते हैं, जहाँ सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती है और सर्वोच्च पद वंशानुगत नहीं होते ।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

पहली परेड: गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1950 में **इरविन एम्फीथिएटर** (अब मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम) में आयोजित की गई थी । राजपथ (अब कर्तव्य पथ) 1955 में परेड का स्थायी आयोजन स्थल बना

मुख्य अतिथि: 1950 में पहले गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति **सुकर्नो** थे

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

ध्वजारोहण(Flag Hoisting)

15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस वाले दिन राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर खींचा जाता है और फिर फहराया जाता है। इसे ध्वजारोहण कहा जाता है। इस दिन आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री शामिल होते हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ही ध्वजारोहण करते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के लाल किले पर होता है।

झंडा फहराना(Flag Unfurling)

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस वाले दिन राष्ट्रीय ध्वज ऊपर बंधा रहता है। उसे खोलकर फहराया जाता है जिसे झंडा फहराना कहते हैं। इस दिन आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में देश के राष्ट्रपति शामिल होते हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं। वहीं गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के कर्तव्य पथ (पूर्व में राजपथ) पर होता है।

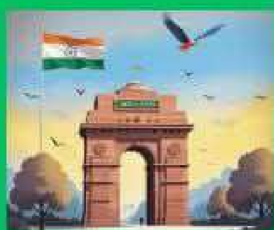

संक्षेप में :-

- प्रधानमंत्री देश के राजनीतिक प्रमुख होते हैं जबकि राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख। देश का संविधान 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ। उससे पहले न देश में संविधान था और न राष्ट्रपति। इसी वजह से हर साल 26 जनवरी को राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

www.teachersofbihar.org

पद्य पंकज

"

जिस तरह घोंसला सोती हुई
चिड़िया को आश्रय देता है
ठीक उसी तरह मौन
तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है।

रविन्द्र नाथ टैगोर

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

'जब एक सिखाता है तो दो सीखते हैं'

~ रॉबर्ट हेनलेन

Aasthartist

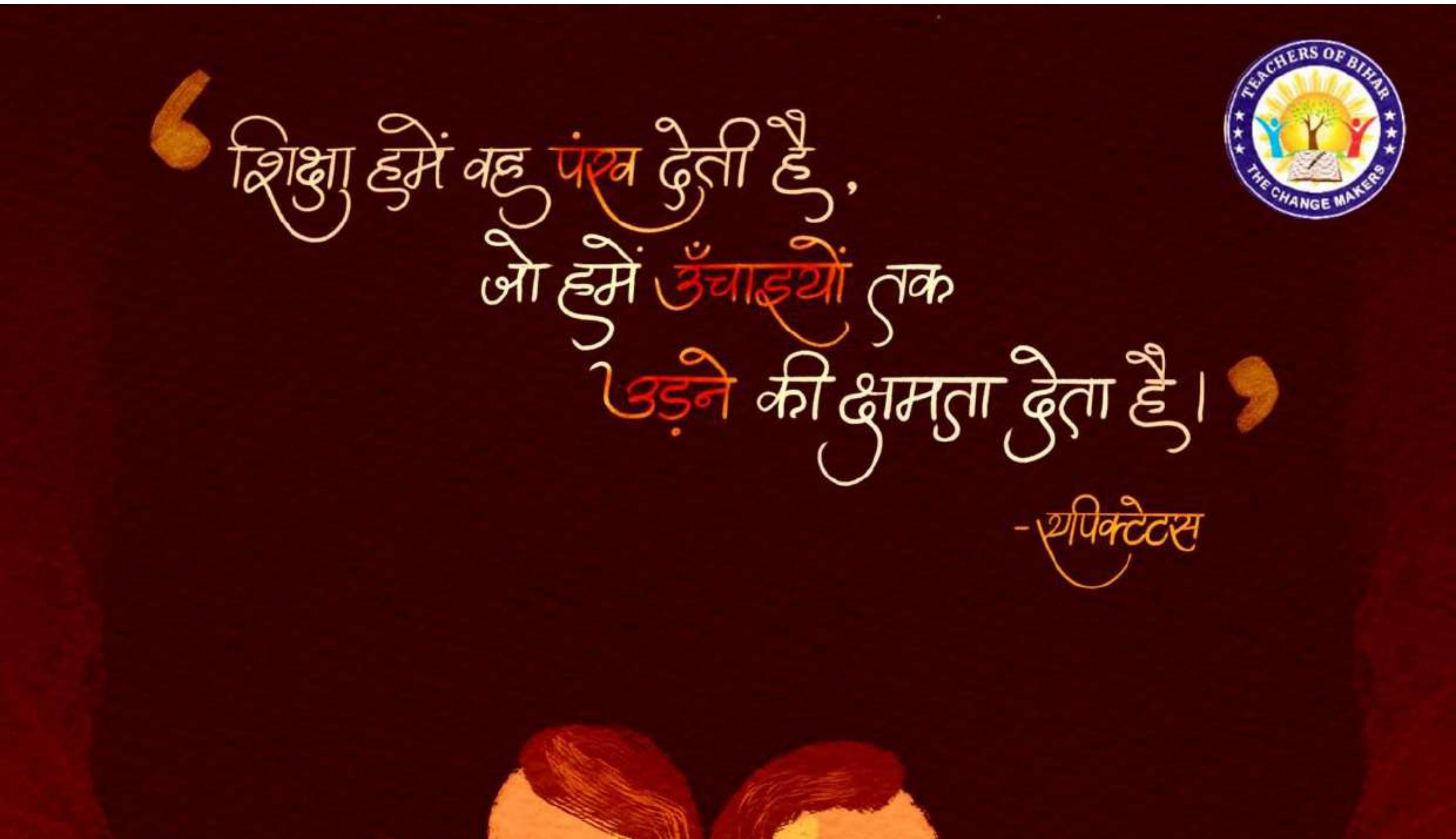
"शिक्षा हमें वह पंख देती है,
जो हमें ऊँचाइयों तक
उड़ने की क्षमता देता है।"
-एपिक्टेटस
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

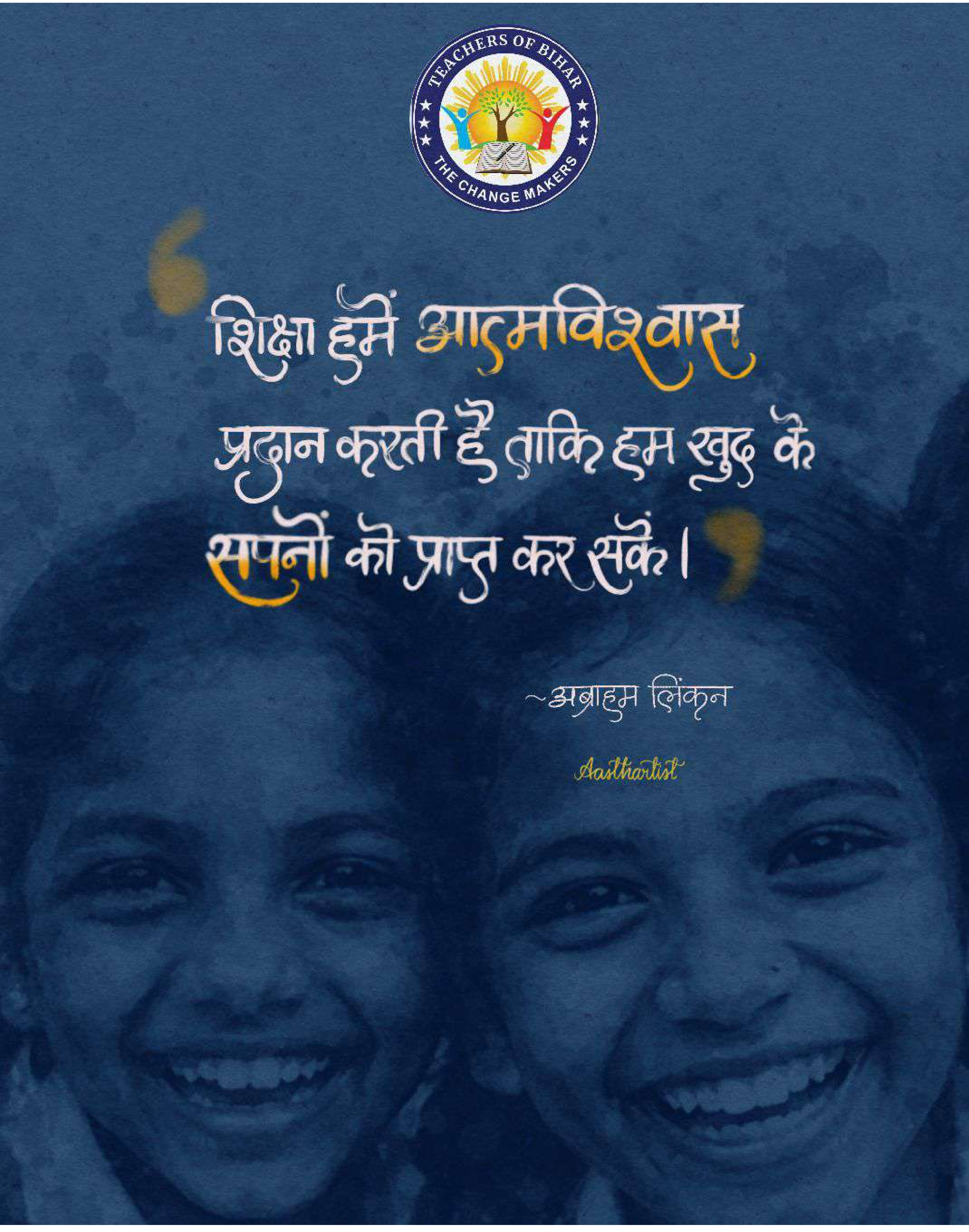
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
शिक्षा हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है ताकि हम खुद के सपनों को प्राप्त कर सकें।
~अब्राहम लिंकन
Aasthartist

BSF
DUTY UNTO DEATH
26 जनवरी
''सीमा सुरक्षा बल''
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY
www.teachersofbihar.org
Punita kumari

Happy
Republic
Day
26 January
Let us come together on Republic Day to celebrate the spirit of unity and patriotism.
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

26 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है,

बल्कि यह जीवन जीने का एक माध्यम है।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर

राकेश कुमार